

ग्रहाध.रण

EXTRAORDINARY

भाग **II--ल**ण्ड 3--उपक्षण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं∘ 2.85 आहे]

नई विस्ली, सोमवार, भ्राप्रैल 20, 1971/वैशाख 0, 1893

No 285B]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 26, 1971/VAISAKHA 6, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी आती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के कप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 26th April, 1971

S.O. 1754B.—Whereas the Central Government has, by its notified Order in the former Ministry of Commerce No. S.O. 1401, dated the 5th May, 1966, issued under Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) as partially modified by the notified Order of the Central Government in the late, Ministry of Commerce No. S.O. 2229, dated the 25th July, 1966, authorised Shri A. C. Das Gupta to take over the management of the whole of the industrial undertaking called Shri Bharathi Mills Ltd., Pondicherry (hereinafter in this Order referred to as the 'industrial undertaking') for the period specified therein.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 18E of the said Act the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the notified Order under section 18A.

Schedule						
Provision of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in Column (1) shall apply to the undertaking.					
(I)	(2)					
Section 531	This section shall not apply in respect of the registration of the mortgage deed executed by the Company on the 15th July, 1969, in the case of the guarantee of loan given by the Central Government to the Indian Bank, Madras.					

[No. F. 9(10)/Lic. Pol./71.]

K. D. N. SINGH, Jt. Secy.

भ्रोधोगिक विकास श्रीर श्रान्तरिक स्थापार मंत्रालय

(श्रीद्योगिक विकास विभःग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 26 म्प्रप्रैल, 1971

का० भा० 1754B.—यतः उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 काने 65) की धारा 18-क के अधीन जारी किए गए केन्द्रीय सरकार के भृतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय ने अपने अधिसूचित आदेश संकता का० आ० 1401, तारीख 5 मई, 1966 द्वारा जिस केन्द्रीय सरकार के भृतपूर्व वाणिज्य संतालय के अधिसूचित आदेश सं० का० आ० 2229, तारीख 20 जुलाई, 1966 द्वारा आंशिक रूप से उपान्तरित किया गया था, केन्द्रीय सरकार ने श्री ए०सी० दास गुप्ता के श्री भारती मिल्म लिमिटेड, पांडिचेरी, नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम (जिसे इस आदेश में इसके पण्चात् 'औद्यो- गिक उपक्रम' कहा गया है) का प्रबन्ध, उसमें निर्विष्ट कालाविध के लिए, ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था:

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 18 इ० की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा इससे संलग्न श्रनुसूची में उन श्रपवादों, निबन्धोंनों और पर सीमाश्रों को विनिर्दिष्ट करती है जिन के श्रधीन रहते हुए क पनी श्रिधिनियम, 1956(1956 का 1) श्रौद्योगिक उत्तक्षम प उसी रूप में लागू होगा जिस रूप में वह उक्त श्रिधिनियम की धारा 18-क के श्रिधसूचित श्रादेश के जारी होने से पहिले उस पर लागू था।

भ्रनुसूची					
कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के उपबन्ध	वे ग्रपवाद, निबन्धन ग्रौर परिसीमाएं जिनके ग्रधीन रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबन्ध ग्रौद्योगिक उपक्रम पर लागू होंगें ।				
I	2				
धारा 531	यह धारा, इंडियन बैंक, मद्रास को केन्द्रीय सरकार द्वारा 15 जुलाई, 196 क्रो दिए गए उधार धन की प्रत्याभृति के रूप में कम्पनी द्वारा निष्पादि बन्धक-विलेख पर लागू नहीं होगी।				

[भं ० फ॰ 9(10)/लिक ॰ पोल ०/71] के॰ डी॰ एन॰ सिंह, संयुक्त सचिव।